ट्यूनीशिया में प्रवासी विरोधी भावना

स्रोत: द हिंदू

ट्यूनीशिया में बढ़ती **प्रवासी विरोधी भावना ने** उप-सहारा **प्रवासियों** को बुरी तरह प्रभावित किया है।

- **प्रवासी विरोधी बयानबाजी:** ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सैयद ने वर्ष 2023 में उप-सहारा प्रवासियों को **"जनसांख्यिकीय खतरा"** घोषित किया, जिससे नस्लीय रूप से प्रेरित हमले और पूर्वाग्रह बढ़ गए।
  - **संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी** ने सरकारी दबाव के कारण शरण आवेदनों को रोक दिया, जिससे प्रवासी असुरक्षित हो गए।

ट्यूनीशिया:

- **स्थान:** ट्यूनीशिया उत्तरी अफ्रीका में भूमध्य सागर से लगा एक देश है, जिसकी पश्चिमी सीमा अल्जीरिया और दक्षिण-पूर्वी सीमा लीबिया से लगती है।
- **राजधानी:** ट्यूनिस
- **जातीय समूह:** अरब 98%, यूरोपीय 1%, यहूदी और अन्य 1%।
- **अर्थव्यवस्था:** उच्च बेरोजगारी, विशेषकर महिलाओं और युवा लोगों में, तथा निम्न मध्यम आय।
- **आतंकवाद:** ट्यूनीशिया में **इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड ऐश-शाम (ISIS)** नेटवर्क (जिसे स्थानीय रूप से अजनाद अल-खलिफा या खलिफत की सेना के रूप में जाना जाता है)।
- **अंतरराष्ट्रीय संबंध: संयुक्त राष्ट्र,** इस्लामिक सहयोग संगठन, अफ्रीकी संघ, गुट निरपेक्ष आंदोलन और ग्रुप 77 के सदस्य।

//

और पढ़ें: ट्यूनीशिया में पावर ग्रैब

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/anti-migrant-sentiment-in-tunisia